UG Semester - II (2024-2028)

Paper - MJC

Topic — Misra ka Rajnitik Itihas

Question- प्राचीन मिस्र के राजनीतिक इतिहास का वर्णन करें ?

तृतीय राजवंश — 2180 BCE में मोसर ने तृतीय राजवंश की स्थापना की। वह एक महान विजेता था। उसने मिस्र राज्य के विस्तार के लिए विजय-अभियानों की योजना तैयार की और उसके अनुसार सर्वप्रथम उसने सिनाई पर आक्रमण किया और वहाँ के ताँबे की खान पर अधिकार किया। मोसर ने नूबिया की कुछ जातियों को भी पराजित किया, क्योंकि वह विद्रोह कर के शांति-व्यवस्था को भंग करती थी। मोसर ने मिस्र के पुरोहितों का भी दमन किया, किन्तु पुरोहित वर्ग को अप्रसन्न करना राजनीतिक भूल मानकर मोसर ने उनका समर्थन प्राप्त करने के लिए 'नूम' नामक देवता को धार्मिक महत्ता प्रदान की। उसने एक राज्यादेश निकाल कर मिस्रवासियों को आदेश दिया कि वे इस देवता की पूजा करें। फिर भी दूरदर्शी मोसर ने राज्य में पुरोहितों के महत्त्व को बढ़ने नहीं दिया और उन्हें राजकीय संप्रभुता के अन्तर्गत रखा।

मोसर अपने निर्माण कार्य के लिए भी मिस्र में प्रसिद्ध है। उसने जिस अभिरुचि के साथ देश की सभ्यता तथा संस्कृति का भी विकास किया उसी अभिरुचि के साथ देश की सभ्यता तथा संस्कृति का विकास हुआ। उसने देवालयों, पिरामिडों तथा अनेक कला-कृतियों का निर्माण कर

उन्हें कलात्मक तथा सांस्कृतिक सौष्ठव प्रदान किया। तृतीय राजवंश का अंतिम शासक नेक्त था। वह भी महान विजेता और कला प्रेमी था। उसने भी सिनाई पर आक्रमण किया और उसे गुलाम बनाया। उसने कुछ विद्रोही कबीलों को भी पराजित किया। नेक्त ने मिस्री सभ्यता को कायम करने का प्रयास किया। अपने शासन के अंतिम वर्षों में नेक्त ने नूबिया पर आक्रमण किया। इस आक्रमण में उसे लगभग सात हजार युद्ध बंदी और दो सौ पशु हाथ लगे। उसने मेडुम में पिरामिड बनाया। प्रख्यात इतिहासकार ब्रेस्टेड के शब्दों में "यह सबसे बड़ा पिरामिड था जो काफी प्रभावित करता था। इस तृतीय राजवंश के कलात्मक पक्ष को उजागर किया।"

चतुर्थ राजवंश :- चतुर्थ राजवंश का राजनीतिक तथा सांस्कृतिक महत्व तृतीय राजवंश से कम नहीं है। इस राजवंश के प्रभावशाली राजाओं में तीन अत्यधिक प्रमुख हैं, खुफू, खेफ्रे और मेनकुरे। इन शासकों ने राज्य-विस्तार से अधिक सांस्कृतिक विस्तार के लिए काम किया।

खुफु चतुर्थ राजवंश का संस्थापक था। खुफु मध्य मिस्र के किसी नगर का निवासी था और मेंफिस राजपरिवार से इसका रक्त संबंध नहीं था। उसने सर्वप्रथम सिनाई पर आक्रमण किया और उसे अपने अधीन कर लिया। उसने हेतनुब पर आक्रमण किया और चूने की खानों में मिस्र के मजदूरों को नियुक्त कर उन्हें जीविकोपार्जन का साधन दिया। उसने अपने नागरिकों की सुरक्षा का प्रबंध किया और देश की रक्षा का साधन ढूंढा। उसका राज्य विस्तार उत्तर-पश्चिम में डेसुक से लेकर डेल्टा से बूबासतीस तक और दक्षिण में हेराकोन पोलिस तक विस्तृत था। वह एक कुशल प्रशासक था। उसने सारे प्रशासनिक अंगों पर केन्द्र सरकार का प्रभुत्व और नियंत्रण कायम किया।

खुफु कला-प्रेमी था। उसने विपुल धन राशि लगाकर अपना पिरामिड बनवाया। इस प्रकार खुफु ने अपने शासन काल में काफी प्रसिद्धी प्राप्त की। उसके निधनोपरान्त डेडफ्रे मिस्र का फराओ बना। ब्रेस्टेड इसे ऐतिहासिक महत्व का पुरुष नहीं मानता। उसने गिज़े के उत्तर अनुराश नामक स्थान में एक पिरामिड का निर्माण किया, किन्तु कलात्मक श्रेष्ठता की दृष्टि से यह पिरामिड महत्वपूर्ण नहीं है।